



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 248]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 18, 1977/ज्येष्ठ 28, 1899

No 248]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 18, 1977/JYAISTHA 28, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

ORDER

New Delhi, the 18th June 1977

S.O. 401(E).—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No S.O 642(E), dated the 6th November, 1975, the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts

- (a) every licensed refiner from the operation of so much of the provisions of section 18 and 21 of the said Act as relate to the manufacture, possession, sale or delivery of dip samples, referred to in rule 12 of the Gold Control (Specifications of Standard Gold Bars and Conditions of Refining) Rules, 1968, which are used as testing needles, subject to the conditions that each testing needle shall not weigh more than two grammes and that the same may be sold or delivered only to a licensed dealer;
- (b) every licensed dealer from the operation of so much of the provisions of sections 21, 32 and 34 of the said Act as relate to the acquisition, possession, custody or control of dip samples, referred to in clause (a),

(2087)

which are used as testing needles, subject to the following conditions, namely:—

- (i) no testing needle in the possession, custody or control of such dealer shall weigh more than two grammes;
- (ii) the purity of gold shall be marked on each testing needle;
- (iii) the aggregate weight of all the testing needles in the possession, custody or control of such dealer shall not, at any time, exceed one hundred grammes over and above the total quantity of primary gold permitted under section 32 of the said Act;
- (iv) the dealer shall not, except with the prior permission of the Gold Control Officer, sell any testing needle to any other dealer, unless such other dealer has been authorised by such officer in writing to purchase such testing needle:

Provided that no such authorisation shall be given by such officer unless he is satisfied that the aggregate weight of testing needles in the possession, custody or control of the purchaser will not exceed, after the purchase, one hundred grammes; and

- (v) the dealer

- (A) shall maintain in the Form specified below an account of the testing needles in his possession, custody or control or acquired by him, namely—

FORM

Account of testing needles for own use

Date	Receipts			
	No. of testing needles in possession, custody or control or those acquired	Weight	Less in use during the month	Balance at the end of the month
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

- (B) if he sells any testing needles, shall maintain in the Form specified below an account of such testing needles namely:—

FORM

Account of testing needles for sale

Date	Receipts		Sold		Balance	
	No. of testing needles	Weight.	No. of testing needles	Weight.	No. of testing needles	Weight.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)

[No. 3/77 F. 143/4/71-GC.II]

M. A. RANGASWAMY,
Gold Control Administrator.

राजस्व और बैंकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जून, 1977

का० आ० 401(अ).—स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) के आदेश सं० का० आ० 642 (अ) तारीख 6 नवम्बर, 1975 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक और समीचीन है,—

- (क) प्रत्येक अनुज्ञप्त परिष्करणकार की उक्त अधिनियम की धारा 18 और 21 के उपबंधों के प्रभाव से, वहां तक जहां तक उनका संबंध स्वर्ण नियंत्रण (मानक स्वर्ण छड़ों की विनिर्दिष्टियां और परिष्करण की शर्तें), नियम, 1968 के नियम 12 में निर्दिष्ट परख सूचिका के रूप में उपयोग में लाए जाने वाले डिप-नमूनों के विनिर्माण कब्जे, विक्रय या परिदान से है, इन शर्तों के अधीन छूट देती है कि प्रत्येक परख सूचिका भार में दो ग्राम से अधिक नहीं होगी और यह भी कि उसे किसी अनुज्ञप्त व्यवहारी को ही विक्रय या परिवत्त किया जाएगा;
- (ख) प्रत्येक अनुज्ञप्त व्यवहारी को उक्त अधिनियम की धारा 21, 32 और 34 के उपबंधों के प्रभाव से वहां तक जहां तक उनका संबंध खण्ड (क) में निर्दिष्ट परख सूचिका के रूप में उपयोग में लाए जाने वाले डिप-नमूनों के अधिग्रहण, कब्जे, अभिरक्षा और नियंत्रण से है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन छूट देती है, अर्थात् :—
- (i) ऐसे व्यवहारी के कब्जे, अभिरक्षा या नियंत्रण में की कोई भी परख सूचिका भार में दो ग्राम से अधिक नहीं होगी;
 - (ii) प्रत्येक परख सूचिका पर स्वर्ण की शुद्धता अंकित की जाएगी;
 - (iii) ऐसे व्यवहारी के कब्जे, अभिरक्षा या नियंत्रण में की सभी परख सूचिकाओं का कुल भार किसी भी समय उक्त अधिनियम की धारा 32 के अधीन अनुज्ञात प्राथमिक स्वर्ण की कुल मात्रा से ऊपर एक सौ ग्राम से अधिक नहीं होगा;
 - (iv) व्यवहारी स्वर्णनियंत्रण अधिकारी की पूर्ण अनुमति के सिवाय कोई परख सूचिका किसी अन्य व्यवहारी को तब तक विक्रय नहीं करेगा जब तक ऐसा अन्य व्यवहारी ऐसे अधिकारी द्वारा ऐसी परख सूचिका खरीदने के लिए प्राधिकृत न किया गया हो :

परन्तु यह कि ऐसा प्राधिकारी ऐसा प्राधिकार तब तक नहीं देगा जब तक उसका यह समाधान नहीं हो जाता कि उसके कब्जे, अभिरक्षा या नियंत्रण में की परख सूचिकाओं का कुल भार ऐसी खरीद के पश्चात् एक सौ ग्राम से अधिक नहीं हो जाएगा; और

(V) व्यवहारी,

(क) नीचे विनिर्दिष्ट प्ररूप में अपने कब्जे, अभिरक्षा या नियंत्रण में की या उपाजित परख सूचिकाओं का लेखा रखेगा, अर्थात् :—

प्ररूप

स्व उपयोग के लिए परख सूचिकाओं का लेखा

तारीख	आगम	मास के दौरान उपयोग में हुई हानि	मास के अंत में अतिशेष
	कब्जे, अभिरक्षा या नियंत्रण में की या उपाजित परख सूचिकाओं की संख्या	भार	
(1)	(2)	(3)	(4)
			(5)

(ख) यदि वह परख सूचिकाओं का विक्रय करता है तो नीचे विनिर्दिष्ट प्ररूप में ऐसी परख सूचिकाओं का लेखा रखेगा, अर्थात् :—

प्ररूप

विक्रयार्थ परख सूचिकाओं का लेखा

तारीख	आगम	विक्रय	अतिशेष
	परख सूचिकाओं की संख्या	भार	परख सूचिकाओं की संख्या
		भार	भार
(1)	(2)	(3)	(4)
			(5)
			(6)
			(7)

[स० 3, 77 फा० 143, 4, 71-स्वर्ण II]

एस० ए० रंगास्वामी,
स्वर्ण नियंत्रक प्रशासक ।महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977